Regarding farmers issues pertaining to Watermelon farming

श्री तनुज पुनिया **(**बाराबंकी**) :** महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से खरबूजे की खेती करने वाले किसानों की पीड़ा को आज सदन में रखना चाहता हूँ । हमारे क्षेत्र बाराबंकी और आसपास के क्षेत्रों में खरबूजे की खेती बहुत भारी संख्या में किसान करते हैं । उनकी समस्या यह है कि एक जो सबसे मीठा खरबूजा आता है, वह ताइवानी वैरायटी का आता है । यहां दिल्ली तक आता है, जिसे लोग मीठा खरबूजा कहते हैं । वे कहते हैं कि मीठा वाला खरबूजा लेकर आना । वह खरबूजा ताइवानी वैरायटी का होता है । उसमें ताइवानी बीज की आवश्यकता होती है । पिछले से पिछले वर्ष लगभग तीन क्विंटल से ज्यादा ताइवानी बीज की खपत केवल बाराबंकी में हुई थी, लेकिन इस वर्ष क्योंकि 1,06,000 रुपये प्रति किलो का यह बीज मिलता है और इसकी ब्लैक मार्केटिंग हो रही थी । लगभग 1.5 लाख रुपये से लेकर पौने दो लाख रुपये और दो लाख रुपये प्रति किलो तक भी यह बीज ब्लैक में बेचा गया । प्रशासन का मैं धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने रेड की, ब्लैक मार्केटिंग खत्म करवायी, लेकिन जो प्राइवेट कंपनी इस बीज को बेच रही थी, वह पूरे बाराबंकी से विदड्रा कर गई और उसने एक क्विंटल से ज्यादा बीज एमआरपी रेट पर नहीं बेचा । जो ब्लैक मार्केटिंग में दो लाख रुपये तक देने को तैयार था, वह बीज उसी को मिल रहा था । उसके बाद भी नकली बीज मिलने की बहुत शिकायतें आयीं । उसके बाद पहली बार पिछले वर्ष देखा गया कि एक नया विल्ट वायरस होता है । वह खरबूजे की फसल में लगा और पूरी की पूरी फसल बर्बाद हो गयी । उसे फ्यूजेरियम विल्ट वायरस कहते हैं । इसमें किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ । सरकार से बोला गया कि इसमें कुछ मुआवजा या बीमा की राशि किसानों को दी जाए, लेकिन उन्होंने नीतिगत विषय बताकर इसे खारिज कर दिया ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह निवेदन है कि खरबूजे और तरबूज की खेती करने वाले किसानों को बीमा और मुआवजे के दायरे में लाया जाए ताकि आने वाले समय में इनको परेशानी न हो । जो प्राइवेट कंपनी इस ताइवानी बीज को या जो भी जरूरत का बीज है, उस बीज को सही रेट पर, अपने एमआरपी पर, जितनी किसान को जरूरत हो, उतना देने का कोई प्रावधान करे । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय सभापति **:** श्री गणेश सिंह - उपस्थित नहीं ।

श्री प्रदीप पुरोहित जी ।